राष्ट्रीय खेल दिवस 2025

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को **भारत के महानतम हॉकी खिलाड़ियों में से एक मेजर ध्यानचंद** की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस

- **परिचय:** इस दिन को वर्ष **2012 में राष्ट्रीय दिवस** के रूप में घोषित किया गया था। वर्ष **2019 में, फिट इंडिया मूवमेंट** की शुरुआत इसी दिन की गई, जिसने **भारत की फिटनेस और खेल यात्रा** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि स्थापित की।
- **थीम 2025**: **फिट इंडिया मिशन** के तहत इसे '**एक घंटा, खेल के मैदान में (Ek Ghanta, Khel ke Maidan Main)**' थीम के साथ मनाया जाएगा, जिसमें **नागरिकों को प्रतिदिन 60 मिनट शारीरिक गतिविधि** के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
- **प्रमुख राष्ट्रीय खेल पुरस्कार**: **29 अगस्त** को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किये जाने वाले पुरस्कारों में शामिल हैं:

पुरस्कार	विवरण
मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार	भारत का **सर्वोच्च खेल सम्मान**। वर्ष 1991–92 में प्रारंभ, जिसे पहले **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार** कहा जाता था और वर्ष 2021 में हॉकी के महानायक **मेजर ध्यानचंद** के सम्मान में पुनः नामित किया गया।
अर्जुन पुरस्कार	भारत का **दूसरा** सर्वोच्च खेल सम्मान।
द्रोणाचार्य पुरस्कार	**कोचों** को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान।
राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार	उन **संगठनों** को दिया जाता है जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में खेलों को बढ़ावा दिया हो।

मेजर ध्यानचंद (1905-1979)

- **उपलब्धियाँ: हॉकी के जादूगर** के रूप में जाने जाते हैं।
- **विरासत:** सेवानिवृत्ति के बाद भी, भारत का हॉकी में दबदबा कायम रहा। उन्होंने **वर्ष 1948, 1952, 1956 और 1964** में ओलंपिक स्वर्ण तथा **वर्ष 1960 में रजत पदक** जीता।
    - **वर्ष 1956 में सेना में मेजर** के पद से सेवानिवृत्त होने पर, उन्हें **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।

... DHYAN CHAND

Born	**1905**
Birthplace	**Allahabad, Uttar Pradesh**
Sport	**Hockey**
Position	**Centre forward**
Notable Awards	**Olympic gold (1928, 1932, 1936); Padma Bhushan (1956)**
Died	**Dec. 3, 1979**

- Joined the British Army – Punjab Regiment Services – at the age of 17; retired from the army as a Major.
- Scored over 400 international goals in a career spanning 22 years – from 1926 to 1948.
- Was offered German citizenship and a position in the German military by Adolf Hitler, after his impressive showing in the 1936 Berlin Olympics; he declined.
- The title of 'Chand' was given by the people of India because he shone like the moon; was also nicknamed 'The Wizard' and 'The Magician'.

और पढ़ें: मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-sports-day-2025